6. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

(क) भक्तिकाल

(ख) भारतेन्दु युग

(ग) छायावाद

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3083

C

Unique Paper Code : 62051103

0 1 DEC 2022

Maitreyi College ★ LIBRARY ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021

Name of the Paper : Hindi 'B'

Name of the Course : B.A. (Prog.)

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10+10=30)

(क) कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़े बन माहि।

ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखें नाहि।।

अथवा

उतरि ठाढ़ भए सुरसरि रेता। सीय रामु गुह लखन समेता ।।

केवट उतरि दंडवत कीन्हा। प्रभु सकुच एहि नहिं कछु दीन्हा ।।

पिय हिय की सिय जाननिहारी। मनि मुदरी मन मुदित उतारी ।।

कहेउ कृपाल लेहि उतराई। केवट चरन गहे अकुलाई ।।

(ख) या अनुरागी चित्त की गति समुझे नहिं कोइ।

ज्यौं-ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होई ।।

अथवा

एक अचंभो भयो घनआनंद हैं नित ही पल-पाट उधारे।

टारें टरैं नहीं तारे कहूँ सु लगे मनमोहन-मोह के तारे ।।

(ग) चढ़ रही थी धूप;

गर्मियों के दिन,

दिवा का तमतमाता रूप;

उठी झुल्लसाती हुई लू

रई ज्यों जलती हुई भू,

गर्द चिनगीं छा गई

प्राय: हुई दुपहर -

वह तोड़ती पत्थर।

अथवा

दीप-शिखा है अन्धकार की

घनी घटा की उजियाली।

ऊषा है यह कमल-भृंग की

है पतझड़ की हरियाली ।।

2. कबीरदास अथवा तुलसीदास की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए। (10)

3. बिहारी अथवा घनानंद का साहित्यिक परिचय लिखिए। (10)

4. 'वह तोड़ती पत्थर' अथवा 'बालिका का परिचय' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (10)

5. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : (5)

(क) हिंदी भाषा का उद्भव

(ख) ब्रजभाषा

munotes.in